gramodayachitrakoot.ac.in

ग्रामोदय संदेश

■ मंगलवार, 27 फरवरी, 2024 ■ वर्ष 23 ■ अंक 02 ■ पेज 4 ■ मूल्य : निःशुल्क ■ वेबसाइट पर देखें ई-न्यूज लेटर

ग्रामोदय के शिल्पकार भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की चौदहवीं पुण्यतिथि आज

महात्मा गांधी ग्रामोदय चित्रकूट विश्वविद्यालय में दिखती है नाना जी के व्यक्तित्व और कृतित्व की गहरी छाप

चित्रकूट से संयुक्त राष्ट्र तक पहुंचा नाना जी का सतत् विकास मॉडल

चित्रकूट। ग्रामोदय के शिल्पकार भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की आज चौदहवीं पुण्यतिथि है। वे भले सशरीर हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय की रग–रग में उनके विचार प्रवाहमान हैं। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व की गहरी छाप विश्वविद्यालय में दिखाई देती है। भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख द्वारा स्थापित दीनदयाल शोध संस्थान (डीआरआई) ने चित्रकूट में पानी की कमी, आदिवासी बहुल और दूरदराज के इलाकों में संघर्ष मुक्त और आत्मनिर्भर गांवों के लिए अपने दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया है।

नाना जी ने ग्रामीण विकास के पांच लक्ष्य रखे, जो भारत की जीवन शैली के अभिन्न अंग है। सतत विकास के लक्ष्य को संयुक्त राष्ट्र ने अडॉप्ट किया है। सतत विकास लक्ष्यों में एकात्म मानव दर्शन का बोध होता है। नाना जी के प्रेरक विचार एसडीजी के लक्ष्यों को प्राप्त करने और मजबूत, टिकाऊ और संतुलित विकास को बढ़ावा देने की दिशा के रूप में कार्य कर रहे हैं। 90 के दशक में नानाजी चित्रकूट आए उन्होंने प्रकृति का पूरा ध्यान रखा। जीवन और समाज निर्माण के विभिन्न बिंदुओं पर उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में काम खड़ा किया। नानाजी की पुण्यतिथि मनाने के पीछे उनके कृतित्व और उन्होंने जो जिया है जो सोच उनकी रही है उसे धरातल पर उतरना हम सब की जिम्मेदारी है।

कई आयोजन होंगे : तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन सतत विकास के लक्ष्य के अन्तर्गत - एसडीजी-2 (शून्य भुखमरी) व एसडीजी 4 (गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा) पर आयोजित किया जा रहा है। वहीं विविध सेमिनारों व कार्यशालाओं के अन्तर्गत भारतीय प्राकृतिक खेती एवं मानव स्वास्थ्य, पौधों की किस्म और किसानों के अधिकारों का संरक्षण अधिनियम, मातृशक्ति के उत्तम स्वास्थ्य एवं पोषण में पोषक अनाजों का महत्व, कृषक उत्पादक संगठन में कार्यकर्ताओं में कौशल संवर्धन एवं उद्यमिता के अलावा महिला सशक्तिकरण में स्वयं सहायता समूह की भूमिका पर सेमिनार आयोजित किये जा रहे हैं। दीनदयाल परिसर के लोहिया सभागार, बाल कला भवन एवं विवेकानंद सभागार में सेमिनार व कार्यशाला का आयोजन हो रहा है।

नानाजी स्मृति विशेषांक

जन सहभागिता का अनूठा मॉडल

नानाजी ने गांव के विकास में जनता की पहल और सहभागिता को ही अपना ध्येय माना, इसलिए पिछले 13 वर्षों से उनकी पुण्यतिथि का कार्यक्रम जन सहभागिता से ही संपन्न होता आ रहा है। नानाजी की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रत्येक वर्ष ग्रामीण जनों को कृषि, पशु पालन, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार, विवाद मुक्त ग्राम और अन्य क्षेत्रों की विविध योजनाओं एवं प्रगति की जानकारी देने हेतु कार्यक्रम आयोजित होते आ रहे हैं। इसीलिए उनकी 14वीं पुण्यतिथि का कार्यक्रम भी जन सहभागिता से ही संपन्न हो रहा है।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 29 को होगा

कुलपति प्रो. भरत मिश्रा ने की समीक्षा

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 29 फरवरी 2024 को अपराह्न दो बजे से होगा। कुलपति प्रोफेसर भरत मिश्रा ने समारोह की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आयोजन के संबध में विश्वविद्यालय की आयोजन समिति के साथ विचार-विमर्श किया। कुलसचिव नीरजा नामदेव ने बताया कि दीक्षांत कार्यक्रम का पूर्वाभ्यास 28 फ़रवरी को अपराह्न 4 बजे से होगा। उन्होंने बताया कि दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वालों को निर्धारित शुल्क जमा करके 28 फ़रवरी तक दीक्षांत पंजीयन कराना होगा। उपकुलसचिव अकादमी डॉ कुसुम कुमारी सिंह और उपकुलसचिव परीक्षा डॉ ललित कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि यूजी, पीजी एवम पीएचडी डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा मैडल पाने वाले विद्यार्थियों की सूची और सम्पूर्ण विवरण यूनिवर्सिटी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। समारोह संयोजक प्रो आई पी त्रिपाठी ने बताया कि भव्य समारोह के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है।

कुलपति की कलम से...

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय सिर्फ डिग्री बांटने का कार्य नहीं करता। अपितु यहां विद्यार्थियों को जीवन जीने की कला भी सिखाई जाती है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षा प्रदान करने वाले हमारे विश्वविद्यालय की मूल भावना ग्रामोदय से ओत-प्रोत है। यह विश्वविद्यालय भारतरत्न नानाजी देशमुख के शैक्षिक चिंतन और संकल्पों की जीवंत अभिव्यक्ति है। ग्रामीण विश्वविद्यालय की परिकल्पनाओं पर आधारित ग्रामोदय विश्वविद्यालय पहला संस्थान है, जहां पर शिक्षा नीति के संपूर्ण प्रावधान लागू किये जा चुके हैं। भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख ने ग्रामोदय की भावना को आत्मसात कर ग्रामोदय मॉडल को खड़ा किया था। यह मॉडल हमारे विश्वविद्यालय में दिखाई देता है। नाना जी चाहते थे कि गांव में कोई गरीब ना रहे, कोई अशिक्षित ना रहे, कोई बेकार न रहे, कोई अस्वस्थ ना हो, विवाद मुक्त गांव रहे। नाना जी, ग्रामोदय और ग्रामोत्थान के लिए स्वदेशी विचार की क्रांति के लिए पहचाने जाते हैं। ग्रामोदय विश्वविद्यालय, संस्थापक कुलाधिपति भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख की ग्रामोदय संकल्पना को यथार्थ रूप से क्रियान्वित करने की दिशा में सतत रूप से संकल्पित है और इसके सार्थक प्रयास आना प्रारंभ हो गए हैं। विश्वविद्यालय, ग्राम को समाज जीवन की मूल इकाई मानकर शिक्षण, प्रशिक्षण, शोध और प्रसार कार्यों से सर्वांगीण विकास के लिए विगत 3 दशकों से अधिक समय से समर्पित प्रयास कर ग्रामोदय से राष्ट्रोदय के संकल्प में लगा हुआ है। विश्वविद्यालय में स्थापना काल से 'सामाजिक मूल्य एवं उत्तरदायित्व' पाठ्यक्रम समग्र शिक्षा का अनिवार्य तत्व रहा है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के समग्र आयामों को समाहित कर क्रियान्वित कर रहा है। प्राचीन एवं सनातन भारतीय ज्ञान की सिद्ध परम्परा के आलोक में आई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 चिरवांछित जन आकांक्षाओं की सम्यक अभिव्यक्ति है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के युगान्तरकारी प्रावधानों को लागू करने में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य रहा है। वस्तुत राष्ट्रीय शिक्षा नीति के केन्द्र में विद्यार्थी, ज्ञानार्थी और शोधार्थी ही हैं, जिनके हाथ में देश का भविष्य है, दुनिया का भविष्य है। विद्यार्थी ही हमारी शिक्षा नीति के ध्वजवाहक ब्रांड एम्बेसडर होंगे, इसमें तनिक भी संदेह नहीं। शिक्षा का अर्थ है मानवीयता के समग्र आयामों से युक्त मानव-निर्माण है मानव इस प्रकार की क्षमता को बढ़ाकर मानव को मानवता से विभूषित करने का प्रयास। विश्वविद्यालय ने अपनी गतिविधियों और कार्यक्रमों के माध्यम से वंचित वर्गों के सशक्तिकरण, कौशल विकास के उन्नयन एवं प्रमाणन तथा सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है तथा शासन के सहयोगी के रूप में उल्लेखनीय भूमिका का निर्वहन कर रहा है। विश्वास है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में विद्यार्थियों की सशक्त भूमिका के साथ प्रभावी क्रियान्वयन में प्रदेश एक मॉडल के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेगा।

प्रो. (डॉ.) भरत मिश्रा

नानाजी ने ग्रामोदय की भावना को आत्मसात कर ग्रामोदय मॉडल स्थापित किया : महाजन

दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन ने कहा कि भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख ने ग्रामोदय की भावना को आत्मसात कर ग्रामोदय मॉडल को खड़ा किया था। चित्रकूट सहित देश के अनेक हिस्सों में इसके अनुरूप प्रभावी काम चल रहे हैं। नाना जी चाहते थे कि गांव में कोई गरीब ना रहे, कोई अशिक्षित ना रहे, कोई बेकार न रहे, कोई अस्वस्थ ना हो, विवाद मुक्त गांव रहे। उन्होंने कहा कि नाना जी ने 75 वर्ष की आयु में चित्रकूट क्षेत्र के समग्र विकास के लिए ग्रामोदय संकल्पना को यथार्थ का धरातल प्रदान करने का कार्य दीनदयाल शोध संस्थान, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम आदि अनेक संस्थाओं के माध्यम से प्रारंभ किया था। उन्होंने ग्रामोदय विश्वविद्यालय परिवार से नाना जी द्वारा रचित ग्रामोदय संकल्पना एवं कार्यशैली को बार-बार पढ़ने और अपनाने का आवाहन किया। श्री महाजन ने बताया कि नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि के अवसर पर 25 से 27 फरवरी 2024 तक सतत विकास के लक्ष्य को लेकर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है।

नाना जी की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री ने अर्पित किये श्रद्धासुमन

चित्रकूट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पिछले दिनों चित्रकूट पहुंचे थे, जहां उन्होंने महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट परिसर में स्थित नाना जी उपवन में राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

युगानुकूल पुनर्रचना के शिल्पकार थे नाना जी : बनर्जी

चित्रकूट। भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख के जन्म दिवस पर कार्यक्रमों की श्रृंखला में 30 अक्टूबर 2023 को विश्वविद्यालय के मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास सभागार में नानाजी स्मृति व्याख्यान माला का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता उत्तम कुमार बनर्जी वास्तुविद एवं समाज सेवी रहे। श्री बनर्जी ने अपने और नाना जी साथ हुई प्रत्यक्ष मुलाकात का संस्मरण साझा करते हुए कहा कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना की प्रेरणा नानाजी ने महात्मा गांधी से ली थी। नाना जी ने गांधी जी की मूर्ति विश्वविद्यालय प्रांगण में लगाने के लिए मुझे चर्चा की थी। मुझे खुशी है कि नाना जी के विचारों को साकार करने की दिशा में महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय कृतसंकल्पित है। नाना जी ज्ञान के भंडार थे। नाना जी का विचार गुलामी मानसिकता से युक्त देश की तत्कालीन शिक्षा नीति से भिन्न था।

एक प्रख्यात समाज शिल्पी थे भारत रत्न नानाजी देशमुख : उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार

चित्रकूट। मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर परमार ने कहा कि प्रख्यात समाज शिल्पी भारत रत्न नानाजी देशमुख ने ग्रामोदय विश्वविद्यालय की स्थापना केवल डिग्री डिप्लोमा बांटने के काम में लगे सामान्य विश्वविद्यालय के विकल्प के रूप में किया था, हमारे देश के प्रश्नों के समाधान खोजने के लिए इस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। यह विश्वविद्यालय अपने गौरवशाली उद्देश्यों के अनुरूप निरंतर आगे बढ़ रहा है। हमारे देश की अपनी शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्य और उद्देश्य को क्रियान्वित करने में यह विश्वविद्यालय सक्रियता के साथ अपना संपूर्ण योगदान देता रहेगा। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के बाद अपनी शिक्षा नीति पर काम होना चाहिए था, तत्समय संभव नहीं हो सका। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का यथार्थ स्वरूप विकसित भारत 2047 के रूप में पूर्णता के साथ परिलक्षित होगा।

नानाजी भारतीयता की जीवंत अभिव्यक्ति थे : तरुण विजय

चित्रकूट। सुप्रसिद्ध राष्ट्रवादी चिंतक, पांचजन्य के पूर्व संपादक एवं प्रख्यात पत्रकार, स्तंभकार तरुण विजय पिछले दिनों महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में आयोजित नानाजी स्मृति व्याख्यान माला में आए थे। उन्होंने कहा था कि भारतीयता के दर्शन करने हो, तो नाना जी को देखना चाहिए। भारतीय संस्कृति और मूल्य जिन ग्रामीण जनों में संरक्षित और संपोषित हैं, उन्हें राष्ट्र के वास्तविक नायक बनाने में अपनी समस्त ऊर्जा निवेश करने वाले राष्ट्रऋषि नानाजी वास्तव में भारत रत्न है, क्योंकि जिन ग्रामों और ग्रामीणों में भारत की आत्मा बसती है, उन्हें खुशहाल और संपन्न बनाने के लिए नाना जी ने अपना पूरा जीवन दे दिया। नाना जी को जानने समझने के लिए किसी आयोजन की आवश्यकता नहीं। जब राष्ट्रप्रेम और भारतीयता से ओतप्रोत हमारी मानवीय संवेदनाओ में पीड़ित और उपेक्षित ग्राम वासियों की पीड़ा एकाकार हो जाएगी, वही नानाजी प्रकट होंगे। उन्होंने कहा कि वे सदैव गुणी और योग्य लोगों को आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त कर स्वयं पीछे रहते थे। अपने प्रयास से नाना जी ने देश को अनेक राष्ट्रभक्त और समर्पित कार्यकर्ता प्रदान किए।

ग्रामोदय महोत्सव : भारत रत्न राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुख के विकास मॉडल पर हुआ विमर्श

खेल, ललित कला, बौद्धिक , सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं हुईं

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में 8 से 12 फरवरी 2024 तक पांच दिवसीय ग्रामोदय महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में खेल, ललित कला, बौद्धिक , सांस्कृतिक प्रतियोगिताये, पुरा छात्र संगम, कृषि संगोष्ठी, ग्रामोदय संगोष्ठी, व्याख्यान माला, विचार मंथन, उन्नत पशु प्रदर्शनी आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए। संतोषी अखाड़ा के महंत श्री राम जी दास ने स्वास्थ्य संवर्धन में योग की भूमिका विषय को लेकर आयोजित दो दिनी राष्ट्रीय कार्यशाला में कहा कि स्वास्थ्य और योग एक दूसरे के पूरक हैं। योग से शरीर बनता है तथा योग से जीवन प्रारंभ होता है। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर भरत मिश्रा ने भारत को विश्व का गुरु बताते हुए कहा कि शरीर और मन को स्वस्थ रखने के लिए नियमित योगाभ्यास की आवश्यकता है। उन्होंने सुव्यवस्थित खान पान आहार पर जोर देते हुए बताया कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलाधिपति भारत रत्न राष्ट्रीय ऋषि नानाजी देशमुख ने आजीवन आरोग्य का मंत्र दिया था। उन्होंने स्वास्थ्य परायण प्रकल्प, आरोग्य धाम और दादी मां के बटुआ प्रकल्प के माध्यम से निरोगी काया की दिशा में किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी दी। खेल प्रतियोगिताएं भी हुईं। जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के क्रम में एकल एवं समूह गायन प्रतियोगिता हुई। इसी प्रकार ललित कला की प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं। महोत्सव के दूसरे दिन योग,खेल, बौद्धिक, ललित कला, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी छात्र छात्राओं ने आकर्षक ढंग से कार्यक्रम प्रस्तुत किए। राजभवन के सचिव अमरपाल सिंह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। जय सिंह नगर की पूर्व विधायिका श्रीमती प्रमिला सिंह विशिष्ट अतिथि रही। योग प्रशिक्षक गण डॉ तुषार कांत शास्त्री, डॉ दिलीप सिंह, डॉ गणेश गुप्ता, डॉ सुनील श्रीवास, डॉ अर्चना शर्मा, डॉ रमेश सिंह आदि रहें। नाना जी उपवन में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रस्तुत योग प्रदर्शन के अनुशासित कार्यक्रम की सराहना मुख्य अतिथि श्री सिंह ने कहा योग को दैनिक जीवन में अंगीकार कर करना चाहिए। अंतरविश्वविद्यालय योग विज्ञान केंद्र द्वारा प्रायोजित इस संगोष्ठी के समापन अवसर पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय और एकेएस यूनिवर्सिटी सतना के विद्यार्थियों ने योगाभ्यास और आसनों की सुंदर प्रस्तुति की। बौद्धिक प्रतियोगिता के अंतर्गत रामराज्य की अवधारणा : मूल्य एवम प्रतिमान विषय को लेकर निबंध प्रतियोगिता संपन्न हुई, जिसमें 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया। महोत्सव के तीसरे

दिन ग्रामोदय व्याख्यान माला हुई। इसमें नारी सशक्तिकरण संगोष्ठी सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। कार्यक्रम में दीनदयाल शोध संस्थान के राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन, राकेश तिवारी, प्रो भरत मिश्रा आदि मौजूद रहे। डॉ क्रांति मिश्रा और नीरजा नामदेव ने नारी शक्ति परिदृश्य पर प्रकाश डाला। स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत विचार प्रमुख राकेश तिवारी ने ग्रामोदय और ग्रामोत्थान के लिए स्वदेशी विचार को क्रांति लाने वाला बताते हुए कहा कि गांव और गांव में रहने वाले लोग जब प्रफुल्लित होंगे तभी वास्तविक ग्रामोत्थान होगा। श्री तिवारी ने भारत के गौरवशाली अतीत को विस्तार से समझाते हुए कहा कि विकेंद्रीकृत व्यवस्था, नीतियां , सहकारिता , उद्यमिता एवं स्वरोजगार को अपनाकर ग्रामोदय एवं ग्रामोत्थान किया जा सकता है। स्वदेशी जागरण मंच की आवश्यकता, स्थापना एवं महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि सच्चे अर्थों में ग्रामोदय और ग्रामोत्थान को प्रभावशील बनाने में बनाने की दिशा में उद्यमिता एवं स्वरोजगार सशक्त माध्यम के रूप में उभर सकता है। नारी सशक्तिकरण संगोष्ठी भी हुई। इस संगोष्ठी का विषय वर्तमान परिदृश्य में नारी शक्ति था। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो भरत मिश्रा मुख्य अतिथि रहें। कुलसचिव नीरजा नामदेव ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। महोत्सव के चौथे दिन एलुमनी मीट में पुरा छात्र छात्राओं से सतत जुड़ाव और एलेसमेंट उन्नयन पर विचार विमर्श हुआ। कबड्डी, क्रिकेट, बैडमिंटन, गायन, नृत्य, अभिनय प्रतियोगिता संपन्न हुईं। कुलपति प्रो. भरत मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को आश्वासन दिया कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय अपने पूर्व छात्र-छात्राओं से सतत जुड़ाव के लिए सोशल मीडिया के प्लेटफार्म का भी उपयोग करेगा।

महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार...

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में ग्रामोदय विश्वविद्यालय में हुई श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास की प्रथम बैठक, हुए कई निर्णय

चित्रकूट। 16 जनवरी 2024 का दिन महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के लिए ऐतिहासिक दिन रहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव चित्रकूट पहुंचे। उन्होंने चित्रकूट के ग्रामोदय विश्वविद्यालय सभागार में श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास की प्रथम बैठक की अध्यक्षता की। बैठक की अध्यक्षता करते हुये मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि चित्रकूट सहित राम वन पथ गमन मार्ग के सभी प्रमुख स्थलों का विकास किया जायेगा। इसके लिये पूरी कार्य योजना बनाकर उसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जायेगा। इसमें अधोसंरचना विकास के कार्यों के साथ-साथ धार्मिक चेतना, आध्यात्मिक विकास और राम कथा से जुड़े आयामों को भी शामिल किया जायेगा। चित्रकूट का अयोध्या की तरह विकास करके इसे भगवान राम के जीवन से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल बनाया जायेगा। विद्वानों के परामर्श से राम वन पथ गमन के प्रमुख स्थलों का विकास किया जायेगा। चित्रकूट के दीवाली मेले तथा अमावस्या मेले में रामकथा और राम के जीवन से जुड़ी प्रदर्शनी एवं राम वन पथ गमन से जुड़ी जानकारियां प्रदर्शित करायें। इनका व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि भगवान कामतानाथ के परिक्रमा पथ का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करायें। जिला पर्यटन संवर्धन परिषद को सक्रिय कर चित्रकूट में पर्यटन गतिविधियां संचालित करायें। अमावस्या मेले को पर्यटन कैलेंडर में शामिल किया जायेगा। राम वन पथ गमन से जुड़े निर्माण कार्यों में लोक चेतना को शामिल करें। राम वन पथ गमन के प्रमुख स्थलों में सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। राम वन पथ गमन मार्ग में मोटर साइकिल रैली जैसे आयोजन करके इससे आम जनता को जोड़ें। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के मंदिरों की पुस्तक का विमोचन किया। इसमें 155 प्रमुख मंदिरों के छायाचित्र तथा 6800 राम मंदिरों की जानकारी संकलित है। बैठक में प्रमुख सचिव धर्मस्व तथा संस्कृति शिव शेखर शुक्ला ने राम वन पथ गमन के लिये तैयार की गई कार्य योजना की जानकारी देते हुये बताया कि प्रदेश में राम वन पथ गमन मार्ग में 1450 किलोमीटर की दूरी शामिल है। इसमें 23 प्रमुख धार्मिक स्थल है। जिनमें सतना, पन्ना, कटनी, अमरकंटक, शहडोल, उमरिया आदि स्थल शामिल हैं। बैठक में धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, राज्यमंत्री नगरीय विकास एवं आवास प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, डॉ जितेंद्र जामदार, विधायक चित्रकूट सुरेंद्र सिंह गहरवार, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह एवं धर्मस्व विभाग राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव लोक निर्माण सुखवीर सिंह, आयुक्त नगरीय प्रशासन भरत यादव, संचालक पर्यटन विकास निगम डॉ इलैयाराजा टी, प्रभारी कमिश्नर रीवा श्रीमती प्रतिभा पाल, कलेक्टर सतना अनुराग वर्मा तथा अन्य अधिकारी एवं न्यास के सदस्यगण उपस्थित रहे। बैठक में वर्चुअल माध्यम से मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा तथा अन्य अधिकारी शामिल रहे।

अपने मुख्यमंत्री जी को कैंपस में देखकर अभिभूत हुआ ग्रामोदय परिवार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जब ग्रामोदय विश्वविद्यालय पहुंचे तो वहां के विद्यार्थी, शिक्षक सभी के बीच उत्साह दिखाई दिया। मुख्यमंत्री जी ने विश्वविद्यालय सभागार में श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास की प्रथम बैठक की अध्यक्षता की। इसके बाद विश्वविद्यालय का भ्रमण भी किया। मुख्यमंत्री को कैंपस में देखकर विद्यार्थी समुदाय और शिक्षक अभिभूत हो गए। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ भरत मिश्रा ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का शॉल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित भी किया।

प्रकाशक : कुलसचिव, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना, मध्य प्रदेश। संपादक : डॉ. जयप्रकाश शुक्ल।